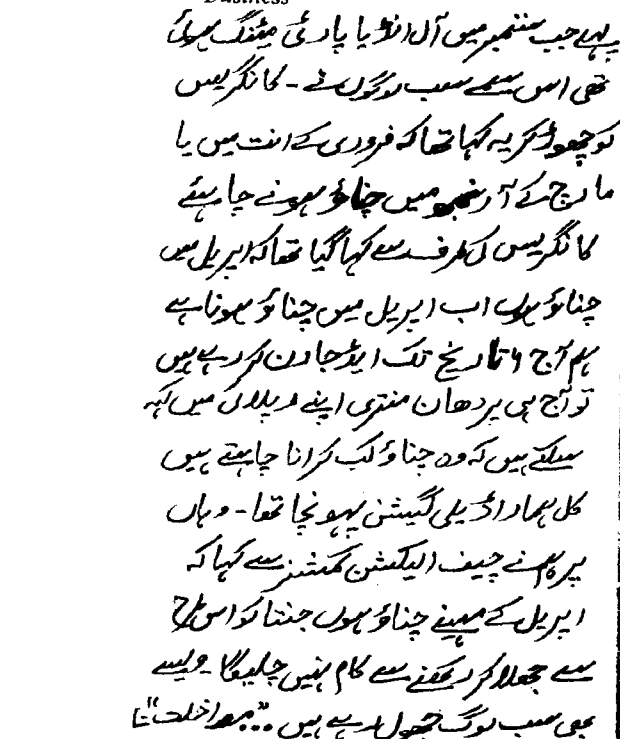

पहले जब सितम्बर में आल इंडिया पार्टी मीटिंग हुई थी उस में सब लोगों ने - कांग्रेस को छोड़ कर यह कहा था कि फरवरी के अंत में या मार्च के आरम्भ में चुनाव होने चाहिये कांग्रेस की तरफ से कहा गया था कि अप्रैल में चुनाव हों अब अप्रैल में चुनाव होना है हम आज 6 तारीख तक एडजार्न कर रहे हैं तो आज ही प्रधान मंत्री अपने दिलों में कह सकते हैं कि वह चुनाव टाल करना चाहते हैं कल हमारा डेलीगेशन पहुंचा था - वहां पर हम ने चीफ इलेक्शन कमिश्नर से कहा कि अप्रैल के महीने चुनाव हों जितना टाला उस से हमें कुछ लाभ नहीं होगा ऐसे भी सब लोग झूल रहे हैं ..."

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): मैडम, इलेक्शन कमीशन से बार-बार चिट्ठी आती है। ...**(व्यवधान)** उसका कोई उत्तर नहीं दिया जाता है...**(व्यवधान)**

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, I would take just one minute. The Prime Minister should kindly clear the suspense which is prevailing in the country that the Government is....*(Interruptions)*

SHRI AJIT P.K. JOGI (Madhya Pradesh): Where is the suspense? *(Interruptions)* He has said time and again...*(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: The Prime Minister should say that the Government is not interested in postponing elections. Let the Government face elections under the shadow of Hawala. *(Interruptions)* Let the Congress Party face elections under the shadow of Hawala. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. *(Interruptions)* One minute. Please sit down. First of all I took it upon myself. It would have been better if I had asked the Prime Minister not to oblige in reply. Then it would have been peaceful. You are asking a question, which is not listed before me. On your request I requested the Prime Minister to come in the evening, but it is not that you ask questions which are not listed on my list. I have names of Members who have to make Special Mentions over here. I am going to call them accordingly. Whatever you have to say, you can say at an appropriate time and in an appropriate form. प्राईम मिनिस्टर जा रहे हैं।

SHRI P.V. NARASIMHA RAO: I am rising to go. *((Interruptions)*

SHRI CHATURANAN MISHRA (Bihar): Madam, this should have been after the election results. यह तो चुनाव के परिणाम के बाद होना चाहिए था। यह अभी से जा रहे हैं।

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, we want the Prime Minister to go for ever as Prime Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That this House cannot decide. That the people in this country can decide. In any case, the General Election has no bearing on the working of this House, which is a permanent House. So, let us do our permanent business. We have to continue regardless of whatever happens.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (Rajasthan): And we want him to leave as early as possible. That is why we are asking for the people's mandate; and that should be held as early as possible. That is the point.

ANNOUNCEMENT REGARDING GOVERNMENT BUSINESS FOR THE REMAINING PART OF THE SESSION

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us go ahead with our work. Mr. Ahluwalia also has to announce something.

मि० अहलुवालिया, आपको क्या एनाउंस करना है?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय (शहरी रोजगार और गरीबी उन्मूलन विभाग) में राज्य मंत्री

तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस०एस० अहलुवालिया): गवर्नमेंट बिजनेस, मैडम।

महोदया, आपकी अनुमति से मैं यह सूचित करता हूं कि सत्र की शेष अवधि के दौरान इस सदन में निम्नलिखित सरकारी कार्य लिया जाएगा:

1. आज की कार्यसूची से बकाया सरकारी कार्य की किसी भी मद पर विचार।

2. कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध (संशोधन) अध्यादेश, 1996 का निरनुमोदन चाहने वाले सांविधिक संकल्प पर चर्चा और कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध (संशोधन) विधेयक, 1993 पर विचार और पारित करना।

उपसभापति: अगर आप बोलना चाहें तो बोलिए, यह तो हो चुका है। अगर आपको कोई ऐतराज न हो तो यह हम टेबिल पर रखवा दें।

श्री एस०एस० अहलुवालिया: मैडम, मैं टेबिल पर रख देता हूं, कोई आपत्ति नहीं है।

उपसभापति: जो बिजनेस का टाईम एलोकेट हुआ है वही गवर्नमेंट बिजनेस है या कुछ उसके अलावा है?

श्री एस०एस० अहलुवालिया: कुछ उसके अलावा है।

उपसभापति: नहीं, वह ही है।

उपसभापति: तो अहलुवालिया जी, आप इसको सदन के सभापटल पर रख दीजिए।

श्री एस०एस० अहलुवालिया: जी रख दिया है।

उपसभापति: इन्होंने रख दिया है, अब आप लोग पढ़ लीजिए। बाद में नहीं कहिएगा कि रखी नहीं कोई चीज़। मीणा जी, आपका भी मैंने क्लीयर कर दिया था। सतीश अग्रवाल जी, आप बोलिए।

SPECIAL MENTIONS

Commissioning of Sixty films by Diverting Rs. 250 Crores from Public funds by Prime Minister's Office for Improving the Image of the Prime Minister

SHRI SATISH AGARWAL (Rajasthan): Madam Deputy Chairman, thank you very much for permitting me to raise this matter of urgent public importance which I have been waiting to raise for the last three days. Madam, the matter of public importance I am going to raise is regarding the commissioning of sixty films by diverting Rs. 250 crores from the public funds by the Prime Minister's Office with a view to improving the image of the Prime Minister. This outrageous expenditure to project the image of the Prime Minister and the ruling party at the time of General Elections is most unethical which has never been done before. I have also annexed along with my motion some points and some relevant paper cuttings also.

Madam Deputy Chairman, it is really very unfortunate that for improving the image of the Prime Minister promotional films worth Rs. 250 crores are being produced at the cost of the public exchequer. This media campaign is being done to prop up the Prime Minister's image by diverting Government funds. It is highly objectionable and unethical. This type of swindling of public funds cannot be allowed. This is shocking and grossly unethical. This amounts to unscrupulous propaganda against the code of conduct which has been laid down by the Election Commission This is really an outrageous expenditure. The private film producers have been authorised to produce these films. In fact, just for illustration I would cite in brief a substance which has been produced and which would be shown all over the country.

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश): यह ढाई सौ करोड़ का आंकड़ा कहां से आया, यह तो आप बताइए। ढाई सौ करोड़ कोई कम पैसा होता है? यह आंकड़ा आपने कहां से लिया? क्या जैन डायरी वालों ने आपको कैलकुलेट करके दिया है? ...**(व्यवधान)**...

श्री सतीश अग्रवाल: मिस्टर जोगी, मुझे कोई आपत्ति नहीं है अगर कांग्रेस पार्टी ...**(व्यवधान)**... करोड़ों रुपया खर्च करती है। ...**(व्यवधान)**...

श्री अजीत जोगी: इसमें आपको क्या आपत्ति है? सरकार ने कोई काम जनता के हित में किया है, अगर वह उसको प्रचारित करना चाह रही है तो उसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**... ढाई सौ करोड़ का आंकड़ा कहां से लिया है? ...**(व्यवधान)**...

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान): मैडम, स्पेशल मेंशन तो बोलने दीजिए...**(व्यवधान)**...